भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
मौखिक प्रश्न संख्या : 135
गुरुवार, 13 फरवरी, 2025/24 माघ, 1946 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

ओपन स्काई एग्रीमेंट

***135 डॉ. राजीव भारद्वाज:**

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) 'ओपन स्काई एग्रीमेंट' किए जाने के क्या उद्देश्य हैं;

(ख) भारत ने 2017 से आज तक किन-किन देशों के साथ उक्त समझौता किया है; और

(ग) उक्त समझौते के फलस्वरूप नागरिक विमानन उद्योग में हासिल हुई प्रमुख उपलबधि यों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

नागर विमानन मंत्री (श्री किंजरापु राममोहन नायडू)

(क) से (ग): विवरण सदन के पटल पर रखा गया है।

"ओपन स्काई एग्रीमेंट" के संबंध में डॉ. राजीव भारद्वाज द्वारा पूछे गए दिनांक 13.02.2025 के लोक सभा मौखिक प्रश्न संख्या 135 के भाग (क) से (ग) के उत्तर में संदर्भित विवरण

(क) ओपन स्काई समझौता दो देशों के बीच हवाई संपर्क में वृद्धि को सक्षम बनाता है। यह दोनों देशों के नामित वाहकों को संबंधित हवाईअड्डों पर स्लॉट की उपलब्धता के अधीन असीमित परिचालन करने में मदद करता है। इन समझौतों ने भारतीय वाहकों के साथ-साथ अन्य देशों के वाहकों को भारत और संबंधित देश के बीच मुख्य रूप से छह भारतीय मेट्रो बिंदुओं अर्थात दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, चैन्ने, हैदराबाद और बेंगलुरु से/के लिए परिचालन बढ़ाने का अवसर प्रदान किया, जिससे हवाई संपर्क में वृद्धि हुई है।

(ख) और (ग) वर्ष 2017 से भारत ने 12 देशों अर्थात बोत्सवाना, जापान, माल्टा, मोरक्को, नीदरलैंड, स्विटजरलैंड, तंजानिया, जाम्बिया, ऑस्ट्रेलिया, मालदीव, कनाडा और न्यूजीलैंड के साथ ओपन स्काई समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। ओपन स्काई नीति के परिणामस्वरूप इन देशों से आने-जाने वाले यात्रियों की संख्या वर्ष 2017 में लगभग 2 मिलियन से बढ़कर वर्ष 2024 में 3.2 मिलियन हो गई है।

*****